

स्नातक (बी0एल0एड0) के अंतिम वर्ष में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	
विधि द्वारा स्थापित एवं यू0जी0सी0 से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक अथवा परास्नातक तथा शिक्षा शास्त्र में स्नातक (बी0एड0) जो इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानदण्ड तथा क्रिया विधि) विनियमों के अनुसार प्राप्त किया गया हो।	8
विधि द्वारा स्थापित एवं यू0जी0सी0 से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से स्नातक कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ और भारतीय पुनर्वास परिषद (R.C.I) द्वारा मान्यता प्राप्त एक वर्षीय बी0एड0 (विशेष शिक्षा) में शामिल होने वाले अथवा उत्तीर्ण।	9

## परिशिष्ट-II

(मार्गदर्शी सिद्धान्त के नियम 7.4 का संलग्नक)  
यूपीटीईटी पाठ्यक्रम की संरचना और विषय-सूची  
(पेपर I और पेपर II)

पेपर I (कक्षा I से V के लिए) प्राथमिक स्तर:-

I. बाल विकास और शिक्षण विधियां 30 प्रश्न

(क) बाल विकास ( कक्षा 1 से 5, 6 से 11 आयु समूह के लिए प्रासंगिक) 15 प्रश्न

- विकास की अवधारणा तथा अधिगम के साथ उसका सम्बन्ध
- बालकों के विकास के सिद्धांत
- आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव
- सामाजिकीकरण प्रक्रियाएं : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)
- पाइगोट, कोलबर्ग और वायगोट्स्की : निर्माण और विवेचित संदर्श
- बाल-केन्द्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं
- बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श
- बहु-आयामी बौद्धिकता
- भाषा और चिंतन
- समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएं, लिंग-पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार
- शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझाना
- अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम का मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन,
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार
- शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए; कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए

तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।

**ख) समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों को समझना 5 प्रश्न**

- गैर-लाभप्राप्त और अवसर-वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।
- अधिगम संबंधी समस्याएं, कठिनाई वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना।
- मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।

**ग) अधिगम और अध्यापन 10 प्रश्न**

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं।
- अधिगम और अध्यापन की बुनियादी प्रक्रियाएं; बालकों की अधिगम कार्यनीतियां: सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम: अधिगम के सामाजिक संदर्भ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक।
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना; अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना।
- बोध और संवेदनाएं
- प्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक – निजी एवं पर्यावरणीय।

**II. भाषा I 30 प्रश्न**

**क) भाषा बोधगम्यता 15 प्रश्न**

अनदेखे अनुच्छेदों को पढ़ना – दो अनुच्छेद एक गद्य अथवा नाटक और एक कविता जिसमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे (गद्य अनुच्छेद साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक अथवा तर्कमूलक हो सकता है)

**ख) भाषा विकास का अध्यापन 15 प्रश्न**

- अधिगम और अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका: भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाईयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन – अधिगम सामग्रियां : पाठ्यपुस्तक, मल्टी मीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

**III. भाषा – II 30 प्रश्न**

**क) बोधगम्यता 15 प्रश्न**

दो अनदेखे गद्य अनुच्छेद (तर्कमूलक अथवा साहित्यिक अथवा वर्णनात्मक अथवा वैज्ञानिक) जिनमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे।

**ख) भाषा विकास का अध्यापन**

**15 प्रश्न**

- अधिगम और अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन— अधिगम सामग्री : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

**IV. गणित**

**30 प्रश्न**

**क) विषय—वस्तु**

**15 प्रश्न**

- ज्यामिति
- आकार और स्थानिक समझ
- हमारे चारों ओर विद्यमान ठोस पदार्थ
- संख्याएं
- जोड़ना और घटाना
- गुणा करना
- विभाजन
- मापन
- भार
- समय
- परिमाण
- आंकड़ा प्रबंधन
- पैटर्न
- राशि

**ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे**

**15 प्रश्न**

- गणितीय/तार्किक चिंतन की प्रकृति; बालक के चिंतन एवं तर्कशक्ति पैटर्न तथा अर्थ निकालने और अधिगम की कार्यनीतियों को समझना
- पाठ्यचर्या में गणित का स्थान

- गणित की भाषा
- सामुदायिक गणित
- औपचारिक एवं अनौपचारिक पद्धतियों के माध्यम से मूल्यांकन
- शिक्षण की समस्याएं
- त्रुटि विश्लेषण तथा अधिगम एवं अध्यापन के प्रासंगिक पहलू
- नैदानिक एवं उपचारात्मक शिक्षण

**V. पर्यावरणीय अध्ययन**

30 प्रश्न

**क) विषय-वस्तु**

15 प्रश्न

1. परिवार और मित्र
  - 1.1 संबंध
  - 1.2 कार्य और खेल
  - 1.3 पशु
  - 1.4 पौधे
2. भोजन
3. आश्रय
4. पानी
5. भ्रमण

**vi. वे चीजें जो हम बनाते और करते हैं**

**ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे**

15 प्रश्न

- पर्यावरणीय अध्ययन की अवधारणा और व्याप्ति
- पर्यावरणीय अध्ययन का महत्व, एकीकृत पर्यावरणीय अध्ययन
- पर्यावरणीय अध्ययन एवं पर्यावरणीय शिक्षा
- अधिगम सिद्धांत
- विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की व्याप्ति और संबंध
- अवधारणा प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण
- क्रियाकलाप
- प्रयोग/व्यावहारिक कार्य
- चर्चा
- सतत व्यापक मूल्यांकन
- शिक्षण सामग्री/उपकरण
- समस्याएं

**पेपर II (कक्षा VI से VIII के लिए) उच्च प्राथमिक स्तर**

**I. बाल विकास और अध्यापन**

30 प्रश्न

**(क) बाल विकास (कक्षा 6 से 8, 11 से 14 आयु समूह के लिए प्रासंगिक)**

15 प्रश्न

- विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध
- बालक के विकास के सिद्धांत

- आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव
- सामाजिकीकरण दबाव : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)
- पाइगेट, कोलबर्ग और वायगोट्स्की : निर्माण और विवेचित संदर्श
- बाल-केन्द्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं
- बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श
- बहु-आयामी बौद्धिकता
- भाषा और चिंतन
- समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएं, लिंग-पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार
- शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझना।
- अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम के मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार
- शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए, कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।

(ख) समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों को समझना **5 प्रश्न**

- गैर-लाभ प्राप्त और अवसर-वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।
- अधिगम संबंधी समस्याओं, 'कठिनाई' रखने वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना।
- मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।

(ग) अध्ययन और अध्यापन **10 प्रश्न**

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं; बालकों की अध्ययन कार्यनीतियां; सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम, अधिगम के सामाजिक संदर्भ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक।
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना; अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना।
- बोध और संवेदनाएं
- प्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक – निजी एवं पर्यावरणीय।

**II. भाषा I** **30 प्रश्न**

क) भाषा बोधगम्यता **15 प्रश्न**

अनदेखे अनुच्छेदों को पढ़ना – दो अनुच्छेद एक गद्य अथवा नाटक और एक कविता जिसमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे (गद्य अनुच्छेद साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक अथवा तर्कमूलक हो सकता है)

ख) भाषा विकास का अध्यापन

15 प्रश्न

- अधिगम अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचित संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन – अधिगम सामग्रियां : पाठ्यपुस्तक, मल्टी मीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

III. भाषा – II

30 प्रश्न

क) बोधगम्यता

15 प्रश्न

दो अनदेखे गद्य अनुच्छेद (तर्कमूलक अथवा साहित्यिक अथवा वर्णनात्मक अथवा वैज्ञानिक) जिनमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से सम्बन्धित प्रश्न होंगे

ख) भाषा विकास का अध्यापन

15 प्रश्न

- अधिगम और अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन– अधिगम सामग्री : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

IV. (क) गणित एवं विज्ञान :

60 प्रश्न

(i) गणित

30 प्रश्न

क) विषय-वस्तु

20 प्रश्न

- अंक प्रणाली
  - (i) अंकों को समझना
  - (ii) अंकों के साथ खेलना
  - (iii) पूर्ण अंक
  - (iv) नकारात्मक अंक और पूर्णांक

- (v) भिन्न
- बीजगणित
  - (i) बीजगणित का परिचय
  - (ii) समानुपात और अनुपात
- ज्यामिति
  - (i) मूलभूत ज्यामितिक विचार (2-डी)
  - (ii) बुनियादी आकारों को समझना
  - (iii) सममिति
  - (iv) निर्माण (सीधे किनारे वाले मापक, कोणमापक, परकार का प्रयोग करते हुए)
- क्षेत्रमिति
  - (i) आंकड़ा प्रबंधन

**(ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे**

10 प्रश्न

- गणितीय/तार्किक चिंतन की प्रकृति
- पाठ्यचर्या में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- सामुदायिक गणित
- मूल्यांकन
- उपचारात्मक शिक्षण
- शिक्षण की समस्याएं

**(ii) विज्ञान**

30 प्रश्न

**(क) विषय-वस्तु**

20 प्रश्न

**I. भोजन**

- भोजन के स्रोत
- भोजन के अवयव
- भोजन को स्वच्छ करना

**II. सामग्री**

- दैनिक प्रयोग की सामग्री

**III. जीव-जंतुओं की दुनिया**

**IV. सचल वस्तुएं, लोग और विचार**

**V. चीजें कैसे कार्य करती हैं**

- विद्युत करंट और सर्किट
- चुंबक

**VI. प्राकृतिक पद्धति**

**VII. प्राकृतिक संसाधन**

**(ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे**

10 प्रश्न

- विज्ञान की प्रकृति और संरचना
- प्राकृतिक विज्ञान/लक्ष्य और उद्देश्य

- विज्ञान को समझना और उसकी सराहना करना
- दृष्टिकोण/एकीकृत दृष्टिकोण
- प्रेक्षण/प्रयोग/अन्वेषण (विज्ञान की पद्धति)
- अभिनवता
- पाठ्यचर्या सामग्री/सहायता-सामग्री
- मूल्यांकन – संज्ञात्मक/मनोप्रेरक/प्रभावन
- समस्याएं
- उपचारात्मक शिक्षण

## V. सामाजिक अध्ययन

60 प्रश्न

### क) विषय-वस्तु

40 प्रश्न

#### I. इतिहास

- कब, कहां और कैसे
- प्रारंभिक समाज
- प्रथम कृषक और चरवाहे
- प्रथम शहर
- प्रारंभिक राज्य
- नए विचार
- प्रथम साम्राज्य
- सुदूरवर्ती भूभागों के साथ संपर्क
- राजनैतिक गतिविधियां
- संस्कृति और विज्ञान
- नए सम्राट और साम्राज्य
- दिल्ली के सुल्तान
- वास्तुकला
- साम्राज्य का सृजन
- सामाजिक परिवर्तन
- क्षेत्रीय संस्कृतियां
- कम्पनी शासन की स्थापना
- ग्रामीण जीवन और समाज
- उपनिवेशवाद और जनजातीय समाज
- 1857-58 का विद्रोह
- महिलाएं और सुधार
- जाति व्यवस्था को चुनौती
- राष्ट्रवादी आंदोलन



- स्वतंत्रता के पश्चात भारत

## II. भूगोल

- एक सामाजिक अध्ययन तथा एक विज्ञान के रूप में भूगोल
- ग्रह : सौरमण्डल में पृथ्वी
- अपनी समग्रता में पर्यावरण : प्राकृतिक और मानव पर्यावरण
- वायु
- जल
- मानव पर्यावरण : बस्तियां, परिवहन और संप्रेषण
- संसाधन : प्रकार – प्राकृतिक एवं मानवीय
- कृषि

## III. सामाजिक और राजनीतिक जीवन

- विविधता
- सरकार
- स्थानीय सरकार
- आजीविका हासिल करना
- लोकतंत्र
- राज्य सरकार
- मीडिया को समझना
- लिंग-भेद समाप्ति
- संविधान
- संसदीय सरकार
- न्यायपालिका
- सामाजिक न्याय और सीमांत लोग

## ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे

20 प्रश्न

- सामाजिक अध्ययन की अवधारणा और पद्धति
- कक्षा की प्रक्रियाएं, क्रियाकलाप और व्याख्यान
- विवेचित चिंतन का विकास करना
- पूछताछ/अनुभवजन्य साक्ष्य
- सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन पढ़ाने की समस्याएं
- स्रोत – प्राथमिक और माध्यमिक
- प्रोजेक्ट कार्य
- मूल्यांकन

टिप्पणी : कक्षा I से VIII तक की विस्तृत पाठ्यचर्या के लिए कृपया बेसिक शिक्षा परिद पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का अवलोकन करें।